RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार 24 अगस्त 2023 वर्ष 05 अंक 120 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
# रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

# चांद पर भारत

## चंद्रयान -3 की चांद के दक्षिणी ध्रुव पर हुई सॉफ्ट लैंडिंग...

## महाशक्ति की ओर बढ़ रहा भारत -मुख्यमंत्री शिंदे

मुंबई। बुधवार को चंद्रयान -3 ने सफल लैंडिंग कर इतिहास रच दिया है.पूरा देश अति उत्साहित है.इससे महाराष्ट्र अछूता नहीं है.चंद्रयान -3 से सफल लैंडिंग पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सबसे पहले देश सभी वैज्ञानिकों को बधाई दी, कहा कि भारत आज महाशक्ति की ओर बढ़ रहा है। इसलिए, चंद्रयान की सफलता देश का सम्मान बढ़ गया है.इस सफल चंद्रयान से देश का पूरी दुनिया में डंका बज रहा है. इस मिशन के कारण अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत की श्रेष्ठता एक बार फिर साबित हुई है.बुधवार की शाम चंद्रयान -3 लैंडिंग के दौरान मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास पर इसरो के कमांड सेंटर से लॉन्चिंग देखी लैंडिंग होने के बाद मुख्यमंत्री सहित उपस्थित सभी लोगों ने खुशी से तालियां बजाई और इस अभियान की सफलता का जश्न मनाया और लोगो को मिठाइयां बांटी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वह क्षण है जिस पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए। इस सफलता से सभी भारतीय अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे है.वैज्ञानिकों के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निदेर्शात्मक नेतृत्व और समर्थन की ताकत है। शिंदे ने कहा कि चंद्रयान- 3ह्न को 14 जुलाई को श्रीहरिकोटा से चंद्रमा की ओर लॉन्च किया गया था। उन्होंने कई कठिन पड़ावों को सफलतापूर्वक पार किया।

**हमें वैज्ञानिकों पर गर्व - अजित पवार**

चंद्रयान -3 के चन्द्रमा पर सफल लैंडिंग के दौरान राष्ट्रवादी भवन में उपमुख्यमंत्री अजित पवार अपने पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ लाइव देखा सफल लैंडिंग के बाद अजित पवार ने कहा कि हमें अपने देश के वैज्ञानिकों पर गर्व है.जिन्होंने दुनिया में इतिहास रच दिया है.चंद्रयान -3 के सफल लैंडिंग पर अजित पवार और राकांपा नेताओं ने तालियां बजाई और भारत माता की जय का नारा लगाया।

**पालकमंत्री लोढ़ा ने आयोजित किया कार्यक्रम**

मुंबई उपनगर पालकमंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा की चंद्रयान 3 की सफलता पर पूरी दुनिया की नजर थी. चंद्रयान 3 की प्रगति को दुनिया के हर कोने में लाइव प्रसारण के जरिए देखा गया. भारत में भी, नागरिक इस ऐतिहासिक क्षण का अनुभव करने के लिए एक साथ आए। महाराष्ट्र में भी

जगह-जगह नागरिकों को चंद्रयान 3 की सॉफ्ट लैंडिंग का सीधा प्रसारण दिखाने के लिए मुंबई में सबसे बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गए था पालक मंत्री लोढ़ा के निर्वाचन क्षेत्र मलबार हिल के वसंतराव नाईक चौक गार्डन में आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय मारुति मंदिर में पालक मंत्री लोढ़ा महाआरती भी की.लोढ़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व, इसरो वैज्ञानिकों में उनका विश्वास और इस मिशन के लिए काम करने वाले सभी लोगों की कड़ी मेहनत आज 140 करोड़ भारतीयों को गौरवान्वित करेगी।

## अंधेरी वेस्ट लोखंडवाला की सोसायटी में फटा पाइप, 7वें माले तक पहुंचा पानी

**मुंबई :** महाराष्ट्र के अंधेरी वेस्ट लोखंडवाला में स्थित एक सोसायटी सिल्वर सैंड्स में भारी बारिश के दौरान सड़क पर एक पाइप फट गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि पानी किस तरह से लोगों के घरों में पहुंच चुका है। पानी 7वें माले तक फैल गया है। जिसके कारण आस पास के इलाकों में रह रहे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। फिलहाल खबर में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। पानी का बहाव तेज होने के कारण पानी सोसायटी के 7वें माले तक जा पहुंचा।

## एंटीलिया बम मामला : सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के पूर्व पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा को जमानत दी

**महाराष्ट्र :** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एंटीलिया के बाहर बम और मनसुख हिरन हत्या मामलों के आरोपी पूर्व ह्यएनकाउंटर स्पेशलिस्टह्ल प्रदीप शर्मा को जमानत दी। जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की खंडपीठ ने पिछले हफ्ते फैसला सुरक्षित रखने के बाद इस साल जनवरी में उन्हें जमानत देने से इनकार करने के बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली शर्मा की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद उक्त फैसला सुनाया।

25 फरवरी 2021 को अरबपति मुकेश अंबानी के आवास एंटीलिया के पास धमकी भरे पत्र के साथ विस्फोटक से भरी स्कॉर्पियो कार मिली। दस दिन बाद 4 मार्च, 2021 को व्यवसायी मनसुख हिरन का शव ठाणे क्रीक से बरामद किया गया। वह स्कॉर्पियो का मालिक था और उसने इसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। अप्रैल 2021 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा जांच अपने हाथ में लेने के तुरंत बाद तत्कालीन एपीआई सचिन वेज, जो शुरू में मामले की जांच कर रहे थे, उनको शर्मा सहित नौ अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया। यह केंद्रीय एजेंसी का मामला है कि शर्मा ने कथित तौर पर मामले में सबूत नष्ट करने में वेज की मदद की और वह अपने लोगों की मदद से हिरन की हत्या की साजिश रचने के साथ-साथ उसे अंजाम देने में भी शामिल था। शर्मा पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120बी, 201, 302, 364, और 403, और शस्त्र अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 2002 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

## पालघर जिले से डकैतों के गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

**पालघर :** महाराष्ट्र के पालघर जिले में डकैतों के एक गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने कहा कि अभियान के दौरान वाडा थाने के दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) बालासाहेब पाटिल ने बताया कि स्थानीय पुलिस को 21 अगस्त को सूचना मिली कि संदिग्ध डकैत मेट गांव में मेटा फील्ड प्राइवेट लिमिटिड की बंद पड़ी फैक्टरी में घुस रहे हैं। एसपी ने बताया कि पुलिस की एक टीम दोपहर साढ़े तीन बजे वहां पहुंची तो डकैतों ने भागने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनका पीछा किया तो डकैतों ने पथराव कर दिया, जिससे कांस्टेबल बाबासाहेब घुगे और चेतन सोनावणे जख्मी हो गए। कुछ डकैत नदी में कूद गये लेकिन कांस्टेबल सोनावणे और कुछ ग्रामीण भी

पानी में कूद गये और उन्हें पकड़ लिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान रवाब बरकुल्ला शाह (60), मिराज नूर मोहम्मद शाह (21), वैभव रविंद्र जाधव (24), अब्दुल कलाम समीउल्लाह खान (38) और चिराग अरूण पाटिल (22) के तौर पर हुई है और ये सभी पालघर और ठाणे जिलों के रहने वाले हैं। एसपी ने बताया कि उनके पास से गैस कटर बरामद किये गये हैं जिससे संकेत मिलता है कि उनकी योजना लूट को अंजाम देने की थी। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

## संपादकीय / लेख

### निर्णायक मोड़ पर ब्रिक्स...

**फैसल शेख**
**(प्रधान संपादक)**

इस समय अंतरराष्ट्रीय ढांचा व्यापक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। इस कड़ी में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की निगाहें लगी हुई हैं। भारत भी ब्रिक्स का सदस्य है। शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ एवं जी-20 की अध्यक्षता के दायित्व के साथ वैश्विक मामलों में भारत की महत्ता और बढ़ी है। इसलिए ब्रिक्स बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को भी दुनिया बहुत बारीकी से देखेगी। एक वैश्विक वित्तीय संस्थान की रिपोर्ट में ब्राजील, रूस, भारत और चीन को मिलाकर ह्यब्रिकह्न की संकल्पना हुई थी। यह संकल्पना देखते ही देखते अंतरराष्ट्रीय सक्रियता के एक प्रमुख मंच के रूप में विकसित हो गई और अब इसके विस्तार की मांग हो रही है।

ब्रिक की संकल्पना के पीछे विश्व की 40 प्रतिशत जनसंख्या और एक तिहाई आर्थिकी को निर्धारित करने वाले देशों को समूहबद्ध करना था। इन देशों के नीति-नियंताओं को यह विचार जंचा और 2009 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन के साथ ब्रिक औपचारिक रूप से अस्तित्व में आया। वर्ष 2011 में दक्षिण अफ्रीका के जुड़ाव के साथ ब्रिक अंतत: ब्रिक्स हुआ। इस एकजुटता के पीछे यही उद्देश्य था कि वैश्विक आर्थिकी में इन देशों का जो योगदान है उस अनुपात में उनकी आवाज नहीं सुनी जाती तो उस स्वर को मुखर किया जाए। इनका उद्देश्य था कि एक साथ आकर वे पश्चिम के नेतृत्व और वर्चस्व वाली वित्तीय प्रणाली के दबदबे को चुनौती देकर वैश्विक आर्थिक प्रणाली को संतुलन प्रदान करेंगे। ब्रिक्स के अभी तक के सफर को देखें तो अनुभूति होगी कि कुछ दूरी तक सही चलने के बाद उसकी गाड़ी पटरी से उतर गई। इसके सदस्य देशों में अक्सर अंतर्विरोध देखे गए। विशेषकर भारत और चीन के संदर्भ में यह बात सटीक बैठती है। इस कारण भी इस संगठन की उपयोगिता और महत्व पर सवाल उठते रहते हैं।

भारत के दृष्टिकोण से ब्रिक्स से उसके जुड़ाव की एक वजह यह भी थी कि वह समान विचार वाले ऐसे देशों के साथ जुड़ना चाहता था, जो चीन के निरंतर बढ़ते दबदबे और दुस्साहस की स्थिति में एक आंतरिक मंच पर उसे जिम्मेदार एवं जवाबदेह बना सकें। भारत को उम्मीद थी कि दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और रूस जैसे सहयोगी चीन पर दबाव डालकर ब्रिक्स को उसके लिए उपयोगी बनाएंगे, लेकिन बदलते समय और परिस्थितियों के दौर में यह उम्मीद धराशायी होती गई। एक वक्त रूस जैसे ताकतवर देश की भारत के प्रति बड़ी स्पष्ट और निकट सहयोग वाली नीति थी, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद समीकरण बदलने शुरू हो गए। अब रूस का झुकाव चीन की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में भारत के नजरिये से ब्रिक्स को लेकर नई रणनीति बनाना आवश्यक हो गया है। जिन परिस्थितियों में दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स सम्मेलन आयोजित हो रहा है, उससे पूरे विश्व की निगाहें इस पर लगना स्वाभाविक हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस कदर अलग-थलग किया जा रहा है, उसके बाद यह पहला आयोजन है, जहां रूस की व्यापक सक्रियता दिखेगी। कुछ अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नोटिसों के चलते मेजबान दक्षिण अफ्रीका और रूस में सहमति बनी है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसमें नहीं आएंगे और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव रूस का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस दौरान यह संगठन कई मुद्दों पर चर्चा करेगा। एक मुद्दा तो डालर के विरुद्ध करेंसी रणनीति का है। यह तय है कि भारत डालर को लेकर ऐसी किसी भी रणनीति का हिस्सा नहीं बनेगा, जो वैश्विक आर्थिक मामलों में चीनी दबदबे को और बढ़ाए। इससे भी बड़ा मुद्दा ब्रिक्स के विस्तार का होगा। इस बार कई अन्य देश बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। कुछ सदस्यता के लिए आवेदन भी कर रहे हैं। चीन उनमें से कुछ देशों को स्थायी रूप से जोड़ना चाहता है। असल में विस्तार के पीछे चीन की मंशा ब्रिक्स को पश्चिम के विरुद्ध एक भू-राजनीतिक संगठन के रूप में ढालने की है, जबकि मूल रूप से यह आर्थिक सहयोग का एक मंच रहा है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

## मुंबई के लोगों के लिए जरूरी खबर:

# चेंबूर और मानखुर्द में 24-25 अगस्त को नहीं आएगा पानी...

**मुंबई :** पूर्व उपनगर चेंबूर, गोवंडी, शिवाजी नगर और मानखुर्द में 24 अगस्त सुबह 10 बजे से 25 अगस्त की सुबह 10 बजे तक पानी आपूर्ति नहीं होगी। बीएमसी हाइड्रोलिक डिपार्टमेंट के अनुसार ट्रॉम्बे उच्च स्तरीय जलाशय के कप्पा नंबर 1 और 2 का मरम्मत कार्य पूरा हो गया है। इन कार्यों के बाद ह्यकप्पा नंबर 1ह्न में इनलेट (1800 मिमी) के माध्यम से पानी भरने का कार्य किया जाएगा। संबंधित तकनीकी सुधार की आवश्यकता के मद्देनजर एम ईस्ट और एम वेस्ट वॉर्ड के कुछ इलाकों में पानी की 24 घंटे आपूर्ति नहीं होगी। बीएमसी ने इस दौरान लोगों से संभलकर पानी इस्तेमाल करने की अपील की है। एम ईस्ट वॉर्ड में रफीक नगर, बाबा नगर, आदर्श नगर, संजय नगर, निरंकार नगर, मंडला, 20 फीट और 30 फीट रोड, एकता नगर, म्हाडा बिल्डिंग, शिवाजी नगर रोड नंबर 01 से 06, बैगनवाड़ी रोड नंबर 07 से 15, कमला रमन और रमन मामा नगर में भी पानी नहीं आएगा।

**मुंबई के इन इलाकों में पानी नहीं**

अहिल्या देवी होल्कर मार्ग, गौतम नगर, लोटस कॉलोनी, नटवर पारेख कंपाउंड, शंकर कॉलोनी, इंडियन ऑयल नगर डिवीजन, टाटा नगर, गोवंडी स्टेशन रोड, देवनार नगर कॉलोनी, गोवंडी, लल्लूभाई बिल्डिंग, जेजे रोड (ए, बी, आई, एफ सेक्टर), चीता कैंप, कोलीवाड़ा, पायलीपाड़ा, ट्रॉम्बे, कस्टम रोड, दत्ता नगर, बालाजी मंदिर रोड, म्हाडा इमारतें और महाराष्ट्र नगर में भी पानी सप्लाई बंद रहेगी।

**श्रीनगर सोसायटी समेत यहां भी सप्लाई रहेगी बंद**

देवनार फार्म रोड, देवनार गांव रोड, गोवंडी गांव, सहित कई अन्य जगहों पर पानी नहीं आएगा। वहीं एम वेस्ट वॉर्ड में पी. एल. लोखंडे मार्ग, शांता जोग मार्ग, पी. वाई. थोरात मार्ग, छेदा नगर, श्रीनगर सोसायटी, मुकुंदनगर, एस. टी. रोड, हेमू कालानी मार्ग सहित कई जगहों पर पानी की सप्लाई नहीं होगी।

# अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 5 सितंबर से शुरू होगा स्विमिंग

### तैराकी सहित विभिन्न खेल सुविधाएं उपलब्ध

**मुंबई :** अंधेरी पश्चिम के शहाजीराजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 5 सितंबर से लोग स्विमिंग पूल का लाभ उठा सकेंगे। इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 2 स्विमिंग पूल हैं, जिनमें से स्विमिंग की सुविधा उपलब्ध है। मनपा स्पोर्ट्स एंड फाइन आर्ट्स फाउंडेशन के विशेष कार्य अधिकारी सुनील गोडसे ने कहा कि 5 सितंबर, 2023 से ये दोनों स्विमिंग पूल सदस्यों के लिए उपलब्ध होंगे। गोडसे ने बताया कि एक स्वीमिंग पूल को 26 जुलाई 2023 से वाटर प्यूरिफिकेशन, टैंक बैलेंसिंग और कुछ अन्य इंजीनियरिंग कार्य के लिए बंद कर दिए गए थे। इन दोनों स्वीमिंग पूल का इंजीनियरिंग कार्य और संबंधित परीक्षण अब अंतिम चरण में हैं इन्हे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उसके बाद 5 सितंबर से जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इस परिसर में खेल प्रशिक्षण केंद्र, स्विमिंग पूल, खुला मैदान जैसे कुल 3 महत्वपूर्ण जोन हैं। इसके साथ ही इस खेल प्रशिक्षण केंद्र में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, व्यायामशाला, कार्डियो व्यायाम शाला, महिलाओं के लिए निःशुल्क कराटे प्रशिक्षण कक्षाएं, जिमनास्टिक, स्केटिंग, एरोबिक्स, योग, टेनिस, नृत्य, पेंटिंग आदि सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इस खेल परिसर में स्विमिंग पूल ओलंपिक लेवल का है और यहां के प्रशिक्षकों ने अब तक हजारों नागरिकों को तैराकी सिखाई है। साथ ही यहां प्रशिक्षण से राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के तैराक भी तैयार किए गए हैं।

# डिलाइड रोड ब्रिज का शुरू होने की फिर नई तारीख...

### अब अक्टूबर में शुरू होगा डिलाइड रोड लोअर परेल का पूरा हिस्सा

**मुंबई :** लोअर परेल स्थित डिलाइड़ रोड ब्रिज के शुरू होने की अब नई तारीख सामने आई है।मनपा अतिरिक्त आयुक्त पी वेलारासू ने अब अक्टूबर में इस ब्रिज के शुरू होने की जानकारी दी है। अभी तक इस ब्रिज को 15 अगस्त तक शुरू करने की योजना थी। उल्लेखनीय है कि दक्षिण मुंबई के लिए महत्वपूर्ण लोअर परेल ब्रिज वर्ष 2018 में 24 जुलाई को बंद कर दिया गया था।फरवरी 2019 में रेलवे ने उसके परिसर के ब्रिज का भाग तोड़ देने की शुरूआत की थी।

ब्रिज के निर्माण को लेकर जून 2022 में पहला गार्डर डाला गया और दूसरा गार्डर 24 सितंबर 2022 को डाला गया।ब्रिज का काम पूरा होने में कोई न कोई अड़चन पैदा हो रही है।कभी खड़ी की कमतरता के कारण काम धीमी गति से चल रहा है तो कभी अन्य कारणो से देरी हुई।ब्रिज वाहनों के लिए खोले जाने को लेकर सिर्फ तारीखों की घोषणा हो रही है और बाद में तारीख बदलती जा रही है जिसका खामियाजा ट्रैफिक पर दिखाई दे रहा है ।पहले लोअर परेल ब्रिज को मई में पूरी तरह वाहन के लिए खुल जाने की बात कही गई।1 जून को ब्रिज का एक मात्र हिस्सा खुला जो जीके मार्ग को एनएम जोशी मार्ग से जोड़ने वाला हिस्सा था। उस दरम्यान ब्रिज जुलाई आखिरी तक पूरी तरह खुल जाने की जानकारी मनपा अधिकारियों ने दी थी। तब से यह तीसरी बार है की मनपा अधिकारियो ने ब्रिज के शुरू होने की तारीख बदली है।

# देवेंद्र फडणवीस को मानद डॉक्टरेट की उपाधि

## जापानी यूनिवर्सिटी की घोषणा

**मुंबई :** जापान सरकार के विशेष निमंत्रण पर फिलहाल जापान दौरे पर गए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को वहां के कोयासन विश्वविद्यालय ने मानद डॉक्टरेट की उपाधि देने की घोषणा की है। विशेष बात यह है कि कोयासन विश्वविद्यालय से मानद डॉक्टरेट पाने वाले देवेंद्र फडणवीस पहले भारतीय हैं। कोयासन विश्वविद्यालय ने फडणवीस को महाराष्ट्र में बुनियादी ढांचे के साथ-साथ औद्योगिक विकास, जलयुक्त शिवार जैसी योजनाओं के माध्यम से जल संरक्षण और महाराष्ट्र में सामाजिक समानता के प्रयासों में उत्कृष्ट कार्य के लिए मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित करने का फैसला किया है। देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कोयासन विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस दौरान डीन सोएदा सैन ने इसकी घोषणा की।कोया-चो के मेयर योशिया हिरानो अपनी आगामी मुंबई यात्रा के दौरान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को यह उपाधि प्रदान करेंगे। इसी दौरान महाराष्ट्र सरकार की तरफ से कोयासन विश्वविद्यालय में भारत रत्न, महामानव डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को विशेष रूप से धन्यवाद दिया गया और इसके लिए प्रशंसा पत्र दिया गया।

# अतिरिक्त आयुक्त की नियुक्ति नहीं होने पर कई महत्वपूर्ण कार्य पड़े ठप्प

## पूर्व अतिरिक्त आयुक्त का एक माह पूर्व हो गया था तबादला...

**मुंबई :** मनपा में अतिरिक्त आयुक्त रहे श्रवण हार्डिकर का तबादला हुए एक महीना हो गया है. राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त आयुक्त की नियुक्ति नहीं होने के कारण उनका पद का कार्यभार अतिरिक्त आयुक्त प्रोजेक्ट पी वेलारासू को सौंपा गया है। वेलारासू का नाम कोरोना काल में हुए बॉडी बैग घोटाला में आने के कारण उन पर ईओडब्ल्यू में मामला दर्ज किया गया है। मनपा अतिरिक्त आयुक्त पर मामला दर्ज होने के कारण वह भी दूसरे विभाग के काम पर अपने हस्ताक्षर नहीं करना चाह रहे यही जिससे कामो पर परिणाम हो रहा हैं .

बता दे कि राज्य सरकार ने .जुलाई महीने में श्रवण हार्डिकर का तबादला कर दिया। सरकार ने श्रवण हार्डिकर का तबादला किया लेकिन मनपा में उनके स्थान पर कोई नया आईएएस अधिकारी की नियुक्ति नहीं की। जिससे लगभग एक माह से अधिक समय से उनका विभाग का काम ठप्प सा पड़ गया है। उल्लेखनीय है कि श्रवण हार्डिकर 3 मई को मुंबई मनपा के अतिरिक्त आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला था । उस समय उन्हें पश्चिमी उपनगर विभाग का प्रभार दिया गया था । कार्यभार संभालने के कुछ ही दिनों बाद वह 28 दिन की ट्रेनिंग पर चले गए

. प्रशिक्षण से आने के बाद उन्हें शहर विभाग का प्रभार दिया गया । उन्होंने जून से काम करना शुरू किया . इस बीच इस विभाग की कार्यप्रणाली को समझने के दौरान राज्य सरकार द्वारा उनका फिर से तबादला कर दिया। सबसे बड़ी बात तबादला करने के बाद उनके स्थान पर दुसरे अतिरिक्त आयुक्त की नियुक्ति राज्य सरकार ने नहीं की। जबकि उनके तबादले को एक महीना का समय बीत गया है. जिसके चलते मनपा के उनके पास रहे विभागों के कामकाज ठप्प से पड़ गए है। संबंधित विभाग के अधिकारी अतिरिक्त आयुक्त नहीं होने के कारण कोई प्रस्ताव नहीं भेज रहे है। जिससे मनपा के कई कामकाजो पर असर पड़ रहा है इसी तरह की बात खुद विभागीय अधिकारी कह रहे है।

हार्डिकर के पास रहे विभाग में सामान्य प्रशासन, लॉ विभाग, संपत्ति खाता, नियोजन, बाजार, दुकानें और लाइसेंस विभाग, देवनार स्लॉटर हाउस, इम्प्रूवमेंट , बेस्ट उपक्रम, डंपिंग ग्राउंड, गहन कचरा विभाग , सरकार के साथ समन्वय जैसे लगभग 29 विभाग थे। उनके तबादले के बाद अतिरिक्त आयुक्त पी वेलरासु को इन विभागों का अस्थायी प्रभार दिया गया है. लेकिन वेलरासु के पास पहले से ही परियोजनाओं से संबंधित कई विभाग हैं जैसे पुल, सड़क, जल आपूर्ति आदि महत्वपूर्ण विभाग हैं। नियोजन और घनकचरा विभाग हाल ही में अतिरिक्त आयुक्त सुधाकर शिंदे को दिया गया है। लेकिन यह अस्थायी पद होने के कारण फिलहाल अधिकारी भी इन विभागों से जुड़े मुद्दों पर निर्णय नहीं ले रहे हैं। जिसके चलते मनपा अधिकारियों के बीच चर्चा है कि कुछ रणनीतिक फैसलों के प्रस्ताव सहित कई महत्वपूर्ण कार्य जिसे इस विभाग के मार्फत्त किया जाना है उस पर कोई निणर्य अनहि हो रहे है।

# विदेशी व्यापारियों ने प्याज खरीदने से कर दिया इनकार...

## जेएनपीटी में फंसे प्याज के २०० कंटेनर

**मुंबई :** केंद्र द्वारा प्याज निर्यात पर लगाई ४० फीसदी ड्यूटी के कारण जेएनपीटी में फंसे प्याज के २०० कंटेनर से भारी नुकसान की आशंका व्यक्त की जा रही है यानी ह्यकांदा फ्रायह्व होना तय माना जा रहा है। बता दें कि विदेशों में निर्यात होने वाले प्याज के २०० कंटेनर जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) बंदरगाह पर फंसे हुए है। इन कंटेनरों में ४०० टन प्याज भरी हुई है। अचानक निर्यात शुल्क लगाए जाने से विदेश जानेवाले प्याज की कीमत ४० फीसदी तक बढ़ गई है।इस वजह से विदेशी व्यापारियों ने प्याज खरीदने से इनकार कर दिया और निर्यात के लिए आया प्याज जेएनपीटी बंदरगाह पर पड़ा हुआ है।

जेएनपीटी पोर्ट की तरह नासिक से भी प्याज का निर्यात बंद हो गया है। अगर अगले दो दिनों में इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया तो कंटेनरों में प्याज सड़ने से व्यापारियों और किसानों को करोड़ों का नुकसान होगा। भारत से हर महीने करीब २,५०० हजार कंटेनर एशियाई देशों में निर्यात किए जाते हैं। लेकिन अब व्यापारियों ने नाराजगी जताई है, क्योंकि केंद्र सरकार के फैसले से प्याज के निर्यात पर भारी असर पड़ेगा। प्याज के निर्यात पर ४० फीसदी शुल्क लगाए जाने से किसानों पर भारी मार पड़ेगी।

नासिक में किसानों ने प्याज बेचना बंद कर दिया है। किसानों के समर्थन में नई मुंबई कृषि बाजार समिति (एपीएमसी) में प्याज-आलू बाजार बंद रहने की संभावना है, वहीं अगर वाशी में प्याज और आलू बाजार बंद हो जाता है तो इसका असर शहरवासियों पर पड़ेगा। प्याज की कीमतें पहले से ही कम हैं और निर्यात शुल्क बढ़ने से स्थानीय बाजार में प्याज की आमद बढ़ेगी। अगर ऐसा हुआ तो फिलहाल १८ से २२ रुपए किलो बिकने वाला प्याज १० रुपए के अंदर आ सकता है। इसलिए किसानों के साथ-साथ व्यापारी भी मांग कर रहे है कि केंद्र सरकार निर्यात शुल्क हटाए।

# मुंबई में खतरनाक बनता जा रहा है लेप्टो...

**मुंबई :** मुंबई मनपा लगातार ढोल पीट रही है कि मौसमी बीमारियों से लड़ने के लिए तमाम तरह के उपायों को अमल में लाया गया है। इससे इन बीमारियों को काफी हद तक नियंत्रित किया जा रहा है। मनपा की तैयारियों के बावजूद मुंबई में लेप्टो खतरनाक बनता जा रहा है। जानकारी के अनुसार, एक जून से १३ अगस्त के बीच लेप्टो के न केवल ६६१ मामले सामने आए हैं, बल्कि तीन संदिग्ध मरीजों ने दम भी तोड़ा है। इनमें से दो मरीजों की मौत हाल के दिनों में हुई है। ऐसे में मनपा द्वारा किए गए सभी दावे खोखले साबित होते दिखाई दे रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, मुंबई के परेल स्थित केईएम अस्पताल में इलाज के दौरान दोनों मरीजों की मौत हो गई। अस्पताल के मेडिसिन विभाग के अनुसार, २१ वर्षीय व्यक्ति ने १० अगस्त को दम तोड़ दिया, जबकि

५९ वर्षीय व्यक्ति की १८ अगस्त को मौत हो गई। दोनों लेप्टोस्पायरोसिस से पॉजिटिव थे और बहुत गंभीर हालत में गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराए गए थे। मुलुंड के एक निजी अस्पताल से २१ वर्षीय मृतक को बाईपैप सपोर्ट पर रेफर किया गया था। उसे चार दिन से ठंड के साथ बुखार और सांस फूलने की शिकायत थी। मरीज को तुरंत वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। अस्पताल के एक डॉक्टर के मुताबिक, उसे कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) के चार सत्र दिए गए और वैसोप्रेसर्स (निम्न रक्तचाप वाले रोगियों को दिया जानेवाला) देना शुरू किया। इसके अलावा दोहरी वैसोप्रेसर सपोर्ट के साथ एंटीबायोटिक्स शुरू की गईं और सीपीआर फिर से दिया गया। इसके बावजूद वह बच नहीं सका। इसी तरह सायन कोलीवाड़ा निवासी ५९ वर्षीय दूसरे मरीज को इस्केमिक हृदय रोग और पुरानी शराब की लत का इतिहास था। उसे बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और सांस फूलने की समस्या के साथ लाया गया था। मरीज का निजी लैब से मलेरिया का टेस्ट किया गया था। हालांकि, उसे तीव्र गुर्दे की चोट और अन्य हृदय संबंधी समस्या के साथ-साथ लेप्टोस्पायरोसिस पॉजिटिव पाया गया। इसके चलते उसे वेंटिलेशन सपोर्ट पर रखने के बाद मलेरिया रोधी दवाएं शुरू कर दी गईं। हालांकि, इस बीच सेप्सिस विकसित होने के बाद मरीज की मृत्यु हो गई।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार 24 अगस्त 2023

# तेजी से बढ़ रहे हैं वायरल बुखार, खांसी और सर्दी के मामले

**नई मुंबई :** तलोजा क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पिछले सप्ताह १७ अगस्त की शाम चार बजे के करीब अचानक खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। आश्चर्य की बात यह है कि महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) के अधिकारी इसे कथित तौर पर तकनीकी दोष मान रहे हैं। उस दिन एक्यूआई ३०० को पार कर गया था, जो खराब वायु गुणवत्ता का संकेत है।

एक सर्वेक्षण से पता चला है कि तलोजा एमआईडीसी से सटे इलाकों में वायरल बुखार, खांसी और सर्दी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। स्थानीय निवासी लगातार सरकारी क्लिनिक की मांग कर रहे हैं। एमपीसीबी के रीजनल अफसर सतीश पडवल कहते हैं कि एयर क्वालिटी में गिरावट एक तकनीकी दोष के अलावा कुछ नहीं था। हालांकि, एमपीसीबी लगातार एयर क्वालिटी पर ध्यान रखता है।

जानकार बताते हैं कि राज्य सरकार ने तलोजा और कलंबोली में एक्यूआई स्टेशनों के लिए महत्वपूर्ण धन आवंटित किया। बावजूद उनके डेटा की समीक्षा नहीं की जा रही है। खारघर और तलोजा के निवासी एमपीसीबी से औद्योगिक इकाइयों के कारण खराब वायु गुणवत्ता के बारे में शिकायत करते रहते हैं।

# महाराष्ट्र में बढ़ सकती है MVA की टेंशन...

## शिवसेना ने इन सीटों पर किया दावा, उद्धव ठाकरे ने की अहम बैठक

**मुंबई :** आगामी लोकसभा चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे हर निर्वाचन क्षेत्र को परख रहे हैं. बारामती के बाद कोल्हापुर, शिरूर, अकोला और बुलढाणा लोकसभा क्षेत्रों की समीक्षा की गई है. माना जा रहा है कि इस बैठक में कई विषयों पर चर्चा हुई. ठाकरे ने पार्टी नेताओं को एकनाथ शिंदे के साथ गए सांसद प्रतापराव जाधव को आगामी चुनाव में हराने के लिए मेहनत करने के लिए कहा है.

**सांसद प्रतापराव जाधव को हराने के लिए करें मेहनत- ठाकरे**

उद्धव ठाकरे ने शिवसेना के गढ़ बुलढाणा लोकसभा क्षेत्र की समीक्षा की. उन्होंने कहा कि- जो वफादार लोग मेरे साथ रहे, वे इस गढ़ को बरकरार रखें. उन्होंने कहा कि बुलढाणा लोकसभा क्षेत्र



से हमारी पार्टी चुनाव लड़ने जा रही है. ठाकरे ने पार्टी पदाधिकारियों को शिंदे के साथ गए सांसद प्रतापराव जाधव को हराने और इस गढ़ क्षेत्र में अपना उम्मीदवार चुनने का भी आदेश दिया है. उद्धव ठाकरे ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बुलढाणा लोकसभा क्षेत्र के साथ-साथ उस क्षेत्र में भी अपनी ताकत बढ़ाएं जहां भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार खड़े होंगे, ताकि उन्हें हराने के लिए अभी से रणनीति तैयार की जा सके.

उधर, अमरावती लोकसभा क्षेत्र की समीक्षा बैठक में उद्धव ठाकरे ने पदाधिकारियों से कहा कि इस क्षेत्र में हमारी ताकत है और समर्थन है लेकिन इस ताकत को और बढ़ाने की तैयारी जारी रखें. ठाकरे ने संकेत दिए कि [illegible] अलायंस का यह भी मानना है कि इन लोकसभा क्षेत्रों में उनकी पार्टी का उम्मीदवार होगा. इस मौके पर ठाकरे ने कहा कि हम जल्द ही इस पर फैसला लेंगे कि इस लोकसभा क्षेत्र से किसे उम्मीदवार बनाया जाएगा. इसके साथ ही अकोला लोकसभा क्षेत्र को लेकर भी उद्धव ने बैठक में चर्चा की. शिवसेना नेता नितिन देशमुख ने कहा कि अकोला लोकसभा सीट महा विकास अघाड़ी को शिवसेना के लिए छोड़ना चाहिए. कांग्रेस को इस सीट पर चुनाव लड़ना चाहिए.

# 25,000 से ज्यादा लोगों ने की आत्महत्या !

**मुंबई :** देश में बेरोजगारी, कर्ज, दिवालियापन के कारण हर साल बड़ी संख्या में लोग आत्महत्या कर रहे हैं। वर्ष २०१८, २०१९, २०२० के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। एनसीआरबी यानी राष्ट्रीय अपराध क्राइम ब्यूरो के आंकड़ों के आधार पर केंद्र सरकार ने संसद में जानकारी दी थी। जानकारी के अनुसार २५,००० से ज्यादा लोगों ने आत्महत्या की। आत्महत्या के पीछे दिवालियापन, बेरोजगारी और कर्ज जैसे बड़े कारण सामने आए। मंत्रालय ने एनसीआरबी के आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि भारत में साल २०१८ में २,७४१, २०१९ में २,८५१ और २०२० में ३,५४८ लोगों ने बेरोजगारी की वजह से आत्महत्या की।

# कोविड साइड इफेक्ट... कैंसरवाले कोविड रोगियों के रक्त में 'ब्लॉक' होने का खतरा

**मुंबई :** वैसे तो किसी भी रोग से पीड़ित व्यक्ति के लिए कोविड का होना घातक माना जाता है। पर हाल ही में कैंसर से जुड़ी एक स्टडी सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि कैंसरवाले कोविड रोगियों के रक्त में किस तरह का परिवर्तन होता है। इस परिवर्तन से ऐसे रोगियों में ब्लड संचार के ह्यब्लॉकह्ल होने का खतरा बन जाता है। असल में ब्लड में थक्का बनने के कारण रक्त का संचार प्रभावित होता है।

हाल ही में हुई एक स्टडी के अनुसार, कोविड-१९ के कारण अस्पताल में भर्ती वैंष्ठसर रोगियों और वैंष्ठसर रोधी दवाएं लेने वालों में शिराओं से संबंधित थ्रोम्बोएम्बोलिज्म (वीटीई) विकसित होने का खतरा बढ़ सकता है। यह नसों में संभावित रूप से गंभीर खून के थक्के बना सकता है।

जेएएमए ऑन्कोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन से पता चला है

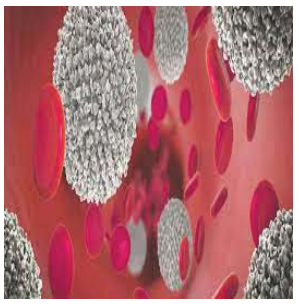



कि सिस्टमिक एंटी-कैंसर उपचार लेने वालों में वीटीई का जोखिम यह उपचार नहीं लेने वालों की तुलना में ३३ प्रतिशत अधिक था। कैलिफोर्निया, सिनसिनाटी, टेक्सास विश्वविद्यालयों के शोधकताओं ने कहा, हालांकि, दवाएं धमनी से संबंधित थ्रोम्बोम्बोलिज्म के उच्च जोखिम से जुड़ी नहीं थीं। उन्होंने पेपर में लिखा, ह्ये निष्कर्ष कैंसर के रोगियों में कोविड-१९ संबंधित थ्रोम्बोएम्बोलिज्म से जुड़ी रुग्णता और मृत्यु दर को रोकने के लिए करीबी निगरानी और शायद व्यक्तिगत थ्रोम्बोप्रोफिलैक्सिस की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं ह्ल अध्ययन के लिए पूरे अमेरिका की टीम ने दुनिया भर के ५,००० वैंष्ठसर रोगियों के डेटा का विश्लेषण किया, जिनमें मार्च २०२० से दिसंबर २०२१ तक कोविड संक्रमण की पुष्टि हुई थी। स्टडी टीम ने उन १,८६९ रोगियों की तुलना जिन्हें कोविड-१९ से पहले तीन महीनों में एंडोक्राइन थेरेपी, इम्युनोमोड्यूलेटर और कीमोथेरेपी जैसी प्रणालीगत वैंष्ठसर-रोधी थेरेपी मिली थी, उन लोगों से की, जिन्हें ये थेरेपी नहीं मिली थी। उन्होंने यह भी पाया कि थ्रोम्बोम्बोलिक घटनाओं (टीईई) वाले रोगियों में आईसीयू में भर्ती होने की दर ४६ प्रतिशत और यांत्रिक वेंटिलेशन की जरूरत की दर ३१ प्रतिशत अधिक थी। टीईई वाले रोगियों में मृत्यु का जोखिम खराब शारीरिक क्षमताओं और सक्रिय या प्रगतिशील वैंष्ठसर से जुड़ा था।

# मुंबई में विपक्षी दलों की बैठक से पहले नेताओं ने की पुलिस कमिश्नर से मुलाकात

**मुंबई :** महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के नेताओं ने यहां 31 अगस्त और एक सितंबर को प्रस्तावित विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) की बैठक से पहले मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसलकर से मुलाकात की. मंगलवार को फणसलकर से मुलाकात के बाद महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने कहा कि उनके प्रतिनिधिमंडल ने विपक्षी गठबंधन की बैठक से पहले सुरक्षा तैयारियों पर चर्चा की, जिसमें विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों सहित शीर्ष विपक्षी नेता शामिल होंगे.

# बाइक की चोरी करने वाले एक रैकेट का पदार्फास

**भिवंडी :** भिवंडी की शांतिनगर पुलिस ने बाइक की चोरी करने वाले एक रैकेट का पदार्फास करते हुए चार चोरों को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने चोरी की 11 बाइक बरामद की है। जिसकी कीमत तीन लाख 35 हजार रुपया है। गिरफ्तार आरोपी यहां से बाइकों की चोरी कर उसे जलगांव में बेचते थे। भिवंडी की शांतिनगर पुलिस स्टेशन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में पूर्व विभाग के सहायक आयुक्त किशोर खैरनार ने बताया कि शांतिनगर पुलिस स्टेशन के एपीआई शैलेंद्र म्हात्रे को गुप्त सूचना मिली कि स्थानीय संजय नगर इलाके में एक बाइक चोर रहता है। उक्त सूचना के बाद पुलिस ने छापामार कर 25 वर्षीय एक चोर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने वाहन चोरी की बात कबूल की। जिसके निशानदेही पर पुलिस ने जलगांव, पड़घा व मुंब्रा से तीन अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने तीन लाख 35 हजार रुपए कीमत का 11 बाइक बरामद की है। सीनियर पीआई शंकर इंदलकर ने बताया कि उक्त चारों आरोपियों का गैंग शहर व आस पास के क्षेत्रों से मौज मस्ती के लिए मोटरसाइकिल चोरी करते थे। जिसे जलगांव के ग्रामीण इलाकों में बेचने का कार्य करते थे। इन आरोपियों की गिरफ्तारी से शांतिनगर पुलिस स्टेशन से 4, कोनगांव पुलिस स्टेशन से 5, नारपोली पुलिस स्टेशन से 1 व पडघा पुलिस स्टेशन के एक चोरी के मामले का पदार्फास हो गया है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत ने चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

# आदित्य ठाकरे ने वर्ली जी दक्षिण वार्ड में लोगो की समस्याओं को लेकर की बैठक

## पूर्व महापौर किशोरी पेडेकर रही नदारद

**मुंबई :** पूर्व कैबिनेट मंत्री और वर्ली के विधायक आदित्य ठाकरे मंगलवार को वर्ली स्थित जी दक्षिण वार्ड कार्यालय में स्थानीय समस्याओं को लेकर बैठक बुलाई थी। इस बैठक में आदित्य ठाकरे सहित विधायक सचिन अहिर और स्थानीय पूर्व नगरसेवक आशीष चेंबूरकर पूर्व महापौर स्नेहल आंबेकर पूर्व उप महापौर हेमांगी वरलीकर, अरविंद भोसले सहित उद्धव सेना में शेष बचे सभी पूर्व नगरसेवक इस बैठक में शामिल हुए लेकिन पूर्व महापौर रही किशोरी पेडेकर इस बैठक से दूरी बनाए रही जो फिर एक बार चर्चा का विषय बन गया है । बता दे कि उद्धव शिवसेना के नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को मनपा के जी दक्षिण वार्ड में स्थानीय समस्याओं को लेकर सहायक आयुक्त संतोष कुमार धोंडे के साथ बैठक आयोजित की थी।इस बैठक में शिवसेना के स्थानीय कार्यकर्ता भी शामिल हुए थे। इस बैठक में परिसर में कचरा की समस्या और दूषित पानी की सप्लाई का मुख्य शिकायत लोगो की रही इसके अलावा वर्ली गांव में किल्ला के पास पड़े डेबरीज सहित पार्किंग की समस्या पर लोगो ने अपनी शिकायत की। सहायक आयुक्त संतोष कुमार धोडे ने दूषित पानी की समस्या पहले हीं हल हो जाने की जानकारी दी और कचरे की समस्या पर जल्द निपटारा करने का आश्वासन दिया।जबकि पानी की धीमी गति से हो रही सप्लाई पर भी अगले दो दिन में ठीक कर दिए जाने का आश्वासन दिया।

# फेसबुक पर दोस्ती... प्यार की कहानी का दर्दनाक अंत

**मुंबई :** फेसबुक पर दोस्ती के साथ-साथ लव, सेक्स और धोखे के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। धोखेबाज फेसबुक के माध्यम से पहले दोस्ती, फिर प्यार में फंसाने के साथ शारीरिक संबंध स्थापित कर धोखा देने का खेल खेला जा रहा है। कई बार तो हत्या जैसे संगीन अपराध को भी अंजाम दिया जाता है। कुछ ऐसा ही फेसबुकिया दोस्ती, प्यार और संबंध बनाने के बाद हत्या किए जाने का मामला पनवेल में सामने आया है। आरोपी पहले सोशल नेटवर्किंग के जरिए एक युवा लड़की के करीब आया। उससे प्यार का ढोंग रचकर शादी का सपना दिखाया और फिर तीसरी ही मुलाकात में उससे शारीरिक संबंध बना लिए। जब लड़की ने शादी की जिद की तो उसको तड़पाकर मारने के बाद विदेश जाने की तैयारी में जुट गया। आखिरकार नई मुंबई पुलिस ने नोएडा पुलिस की मदद से धोखेबाज हत्यारे प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, शाहबाज महमूद कॉलेज की पढ़ाई अधूरी छोड़कर इधर-उधर भटक रहा था। फेसबुक और अन्य सोशल नेटवर्किंग साइट्स के माध्यम से लड़कियों को जाल में फंसाना और उनका शोषण करना उस की आदत बन गई थी। पेशे से फैशन डिजाइनर लुबना महमूद सिद्दीकी और शाहबाज की भी दोस्ती अप्रैल २०१३ में फेसबुक से शुरू हुई थी और जल्द ही शाहबाज ने लुबना को दोस्ती के बाद अपने प्यार में फंसा लिया। इसके बाद शाहबाज तीन बार नोएडा उसके घर तक लुबना से मिलने गया। इस दौरान शाहबाज ने लुबना से झूठ बोला कि वह एक प्रतिष्ठित कंपनी में अधिकारी है। शाहबाज ने लुबना से शादी का वादा किया और उसका भरोसा जीत लिया। शुरू की पहली दो साधारण मुलाकातों के बाद जब शाहबाज तीसरी बार लुबना से मिला, तब उसने शादी का झांसा दिया और शारीरिक संबंध स्थापित कर लिया। शाहबाज ने लुबना की हत्या के बाद उसका एटीएम कार्ड से १३ हजार रुपए निकाले। इन रुपयों से उसने अपने लिए खाना खरीदा, फिर रेलवे का टिकट लेकर मुंबई आ गया। लुबना का एटीएम कार्ड आरोपी ने ट्रेन से ही अजमेर स्टेशन से पहले कहीं फेंक दिया। मुंबई आकर वह सीधे खोपोली गया और वहां की एक लॉज में एक दिन ठहरा। वहां से वह बंगलुरु चला गया, फिर सारे पैसे खत्म होने के बाद वापस पनवेल स्थित अपने घर आ गया। लेकिन शाहबाज को नहीं पता था कि लुबना का एटीएम कार्ड चुराकर पैसे निकालना उसके लिए खतरा साबित होगा। लुबना की हत्या के बाद जब नोएडा पुलिस जांच में जुटी तो पता चला कि लुबना का एटीएम कार्ड गायब है। इस बीच जब लुबना ने शाहबाज की नौकरी और अन्य दावों की पुष्टि करनी चाही तो शाहबाज के झूठ एक के बाद एक खुलते चले गए। अपनी पोल खुलने से शहबाज भी परेशान रहने लगा। इस बीच जब लुबना के परिवार वालों को शाहबाज के बेरोजगार होने की खबर लगी तो लुबना और उसके परिजन शाहबाज की उपेक्षा करने लगे। इससे शाहबाज तनाव में आ गया और उसे यह डर भी सताने लगा कि कहीं लुबना उसके झूठे प्यार, शारीरिक शोषण और शादी न करने की शिकायत पुलिस से न कर दे। इस तनाव में शाहबाज ने लुबना को बरगलाने की बहुत कोशिश की लेकिन लुबना ने उसकी एक नहीं सुनी।

# मुंबई/ केले की मदद से हत्या

**मुंबई :** नागपाड़ा के याकूब इमारत के दूसरे फ्लोर पर अब्दुल हमीद जानमोहम्मद अंसारी अकेले रहते थे। उनका २८ जून २०१४ को उनके ही घर में कत्ल कर दिया गया। अगले दिन सुबह करीब साढ़े आठ बजे जब उनकी बेटी-दामाद घर आए और घंटी बजाने के बावजूद अंसारी ने घर नहीं खोला, तो डुप्लीकेट चाबी से दरवाजा खोला गया। अंदर जाने पर बेटी-दामाद को अंसारी की लाश पड़ी मिली। इस घटना की जानकारी नागपाड़ा पुलिस स्टेशन को दी गई। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में पुलिस को घर में से केले मिले साथ ही पता चला कि याकूब बिल्डिंग के पास दुकान से ही केलों को खरीदा गया था। इस दुकान पर आनेवालों की जब जानकारी निकाली गई, तो उसमें पेशे से पेंटर का काम करने वाले जमील नाम के एक संदिग्ध का नाम सामने आया। उसके बाद उसकी खोजबीन हुई, तो उसे सांताक्रुज से पकड़ा गया। उससे पूछताछ में और दो आरोपियों के नाम सामने आया।

गिरफ्तारी के बाद हुई पूछताछ में जमील ने बताया कि उसे पता था कि अंसारी घर में अकेले रहते हैं, इसलिए उसने अंसारी को लूटने के लिए उसके परिवार के बारे में विस्तार से जानकारी निकाली। इसी के बाद वो अपने दोनों साथियों के साथ उनके घर आधा दर्जन केला लेकर गया और उनसे कहा कि यह आपके एक बेटे ने भिजवाए हैं। केले देखकर अंसारी ने दरवाजा खोल दिया। इसके बाद सभी लोग अंदर आ गए। जमील ने अंसारी को केला दिखाकर कहा कि इसे खा लो, जिंदगी में अब तुम्हें केला खाने को नहीं मिलेगा। जब अंसारी ने पूछा कि ऐसा वैष्ठसे बोल रहे हो, तो जमील ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनका गला दबा दिया और फिर घर में रखे ६० हजार रुपए नकद, तीन मोबाइल लेकर भाग गए।

अंसारी डाक विभाग में काम करते थे। उनके तीन बेटे और एक बेटी मुंबई में हैं, पर अंसारी अपनी स्वतंत्र जिंदगी चाहते थे। इसलिए वे अपने घर में ही हमेशा अकेले ही रहते थे। इस हत्याकांड में मुंबई क्राइम ब्रांच ने अन्य दो आरोपियों जमील रफी खान और हमीद नाऊ को गिरफ्तार किया है।

# नाफेड खरीदेगी 2 लाख मीट्रिक टन प्याज

## o मुख्यमंत्री ने फैसले को बताया ऐतिहासिक
## o प्याज के स्टॉक के लिए बढ़ाएंगे शेड और कोल्ड स्टोरेज

**मुंबई :** मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्य सरकार हमेशा किसानों की मदद की है। कई बार मापदंड से बाहर मदद की गई है। प्याज के मुद्दे पर भी सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और प्याज भंडारण के लिए प्याज के शेड बढ़ाए जा रहे हैं। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री से चर्चा हुई है और नाफेड की तरफ से 2410 रुपए प्रति क्विंटल की दर राज्य की 2 लाख मीट्रिक टन प्याज खरीदने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री सह्याद्रि गेस्ट हाऊस में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी उपस्थित थे। बता दें कि वित्त मंत्रालय ने कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका के बीच

घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए 19 अगस्त को प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया है। यह निर्यात शुल्क 31 दिसंबर 2023 तक प्याज पर जारी रहेगा। इसका महाराष्ट्र के कई प्याज उत्पादक विरोध कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया है कि निर्यात के लिए कंटेनर में आई प्याज की खरीदी भी नाफेड करेगा और जरूरत पड़ने पर केंद्र सरकार से पूरा सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि लासलगांव, मनमाड, आलेफाटा और नासिक जिले के अन्य स्थानों पर नाफेड ने प्याज की खरीद भी शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्याज महाबैंक की संकल्पना भी क्रियान्वित की जा रही है और इसके लिए डॉ अनिल काकोडकर की अध्यक्षता में संचालन समिति निर्णय ले रही है। 13 स्थानों पर किसान समृद्धि परियोजना स्थापित की जाएगी। यहां रबी प्याज फसल के लिए 10 लाख टन की वैज्ञानिक भंडारण क्षमता उपलब्ध कराई जाएगी। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 60 हजार से अधिक नौकरियां पैदा होंगी और प्याज की समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा। प्याज की कीमतों में गिरावट को लेकर कई सिफारिशों पर भी विचार किया जा रहा है।

# कभी अमेरिकी इकोनामी की रीढ़ कहलाने वाली यूएस स्टील आज बिकने की कगार पर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वैश्विक अर्थव्यवस्था इन दिनों कठिन दौर से गुजर रही है। विश्व शक्ति के तौर पर पहचान पाना वाला देश अमेरिका की इकॉनमी भी अभी कुछ ठीक नहीं है। जिस देश की इकॉनमी का परचम दुनियाभर में लहराता है, जिसके शेयर मार्केट की चाल से तमाम देशों के शेयर बाजार की चाल तय होती है, वो देश खुद अभी अस्थिर है। महंगाई और फेडरल की ओर से लगातार ब्याज दरों में की जा रही बढ़ोतरी ने अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। हाल ही में रेटिंग एजेंसी फिच ने भी अमेरिकी की रेटिंह को से घटाकर + कर दिया है। वहीं अब अमेरिका की एक बड़ी स्टील कंपनी बिकने जा रही है।

एक समय अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली यूएस स्टील कॉरपोरेशन के लिए अब गिनती के दिन रह गए हैं। मीडिया रिपोर्टों में यह बात कही गई है। अपने समय में यूएस स्टील दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी थी। अब यह कंपनी बिकने जा रही है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अब यह प्रतिद्वंद्वियों के बीच बोली युद्ध का विषय है, जो कंपनी की कीमत से बहुत कम की पेशकश कर रहे हैं। यूएस स्टील एक और प्रतिष्ठित कंपनी हो सकती है जिसके लिए समय समाप्त हो चुका है। कंपनी का संभावित भाग्य वर्तमान वैश्विक दिग्गजों के लिए एक चेतावनी है कि दुनिया कितनी जल्दी बदल सकती है। पिट्सबर्ग स्थित इस कंपनी की शुरुआत साल 1901 में अमेरिका की अग्रणी स्टील कंपनियों का विलय करके किया गया था, जिनमें कार्नेगी स्टील कॉर्प भी शामिल था। इसकी परिकल्पना फाइनेंसर जे.पी. मॉर्गन ने की थी। नई कंपनी एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य वाली दुनिया की पहली कंपनी बन गई, जो उस साल के पूरे अमेरिका के बजट से दोगुनी थी। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इस सौदे ने मालिक एंड्रयू कार्नेगी को दुनिया का सबसे अमीर आदमी बना दिया।

लेकिन, हाल के वर्षों में, स्टील उत्पादन और शेयर बाजार मूल्य में यूएस स्टील अन्य अमेरिकी स्टील कंपनियों से काफी नीचे आ गई है। एनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि यूएस स्टील मुनाफे में बनी हुई है, लेकिन एक स्वतंत्र कंपनी के रूप में इसके दिन सीमित हो सकते हैं, क्योंकि अब इसे विभिन्न प्रतिद्वंद्वियों द्वारा बोली युद्ध का सामना करना पड़ रहा है, जो इसे 9 अरब डॉलर से कम में खरीदना चाहते हैं।

लंबे समय तक इस्पात उद्योग के विश्लेषक चार्ल्स ब्रैडफोर्ड ने कहा, यह कंपनी 1916 में चरम पर थी। उसके बाद से लगातार गिरावट आई है। सबसे ज्यादा उत्पादन 1970 के दशक में था। इसने दशकों तक कुछ नहीं किया। यूएस स्टील की खरीद पर नजर रखने वाली कंपनियों में ओहायो स्थित निजी कंपनियां क्लीवलैंड-क्लिफ्स और एस्मार्क हैं जो नॉन-यूनियन स्टील प्रसंस्करण फर्म हैं। दोनों ने ऑन रिकॉर्ड अपनी बोलियों की पेशकश की है। एक वैश्विक वायर सेवा ने बताया कि एक प्रमुख यूरोपीय प्रतिस्पर्धी आर्सेलर मित्तल भी बोली पर विचार कर रही है। प्रस्तावित सौदों में से कौन एंटी-ट्रस्ट नियामकों से मंजूरी प्राप्त कर सकेगा यह अभी स्पष्ट नहीं है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अधिग्रहण को लेकर क्लीवलैंड-क्लिफ्स के रुचि दिखाने की बात सार्वजनिक होने पर यूएस स्टील का शेयर मूल्य 10 अगस्त को 22.50 डॉलर से बढ़कर 14 अगस्त को 31 डॉलर से अधिक हो गया।

यूनाइटेड स्टीलवर्कर्स यूनियन ने कहा कि वह केवल क्लीवलैंड-क्लिफ्स की बोली पर सहमत है, जिसमें यूएस स्टील की तरह यूएसडब्ल्यू अपने अधिकांश प्रति घंटा श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन यूएस स्टील ने अब तक उस बोली को खारिज कर दिया है। और ब्रैडफोर्ड ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि एंटी-ट्रस्ट नियम क्लीवलैंड-क्लिफ्स की खरीद को सफल होने देंगे, हालांकि क्लीवलैंड-क्लिफ्स के नेतृत्व का कहना है कि उन्हें विश्वास है कि यह विनियामक अनुमोदन प्राप्त कर सकता है।

ओहायो रिपब्लिकन अमेरिकी सीनेटर जे.डी. वेंस ने गुरुवार को एक बयान जारी कर यूएस स्टील से किसी विदेशी स्टील निर्माता की किसी भी बोली को अस्वीकार करने का आग्रह किया और कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि कंपनी अमेरिकी स्वामित्व वाली बनी रहे क्योंकि यह अभी भी रणनीतिक राष्ट्रीय महत्व की है। यूएस स्टील ने सीधे एस्मार्क ऑफर या आर्सेलरमित्तल की रुचि की रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है, सिवाय इसके कि वह अपने विकल्पों की रणनीतिक समीक्षा कर रही है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी अपने इतिहास में असंख्य बार अधिग्रहणों की अफवाहों और प्रस्तावों से निकलने में कामयाब रही है।

## भारत का विदेशी व्यापार 2023 के पहले छह महीने में 800 अरब डॉलर के पार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के सेवा क्षेत्रों में वृद्धि ने वैश्विक मांग में मंदी के बावजूद 2023 की पहली छमाही के दौरान देश के वस्तुओं व सेवाओं के कुल निर्यात और आयात को 800 अरब डॉलर के आंकड़े के पार पहुंचाने में मदद की। हालांकि पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में इसमें 2.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। शोध संगठन जीटीआरआई ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही। 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के विश्लेषण के अनुसार इस साल जनवरी से लेकर जून तक वस्तुओं व सेवाओं का निर्यात 1.5 प्रतिशत बढ़कर 385.4 अरब डॉलर हो गया, जबकि जनवरी-जून 2022 में यह 379.5 अरब डॉलर था। हालांकि, समीक्षाधीन इन छह महीनों में आयात 5.9 प्रतिशत घटकर 415.5 अरब डॉलर हो गया, जबकि जनवरी-जून 2022 में यह 441.7 अरब डॉलर था। रिपोर्ट के अनुसार, ''जनवरी-जून 2023 के दौरान भारत का विदेशी व्यापार (माल व सेवाओं का निर्यात तथा आयात) 800.9 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि (जनवरी-जून 2022) की तुलना में 2.5 प्रतिशत कम है। जीटीआरआई के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धात्मकता खोने के कारण आंकड़ों मामूली गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि 2023 के लिए विश्व व्यापार यूक्रेन में चल रहे युद्ध, उच्च मुद्रास्फीति, सख्त मौद्रिक नीति और वित्तीय अनिश्चितता सहित कई कारकों के कारण कमजोर है।

## ऑनलाइन कर्ज लेना चाहते हैं तो पांच बातों का रखें ध्यान, सेटलमेंट विकल्प के चयन से खराब होगी साख

**नई दिल्ली, एजेंसी।** डिजिटल भुगतान की दुनिया में यूपीआई एक बड़ी क्रांति है। आज देश में ही नहीं बल्कि दुनिया में कई देशों में भुगतान के लिए इसका इस्तेमाल हो रहा है। मोबाइल स्क्रीन पर बस कुछ टैप्स के साथ आप कई चीजों के लिए डिजिटल यानी ऑनलाइन कर्ज की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। फिर चाहे इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद खरीदना हो, यात्रा करनी हो या रेस्टोरेंट में लजीज भोजन का आनंद उठाना हो।

हालांकि, जैसे-जैसे ऑनलाइन कर्ज का दायरा बढ़ता जा रहा है, हमारे सामने जोखिम भी बढ़ रहे हैं। ये जोखिम गैर-पंजीकृत कर्जदाताओं की ओर से किए जाने वाले गलत कार्यों से पैदा होते हैं। इसलिए, ऑनलाइन कर्ज लेने वाले ग्राहकों को किसी भी तरह की धोखाधड़ी से बचने के लिए अब अधिक सजग रहने की जरूरत है और उन्हें पांच बातों का ध्यान रखना चाहिए।

**नियमित कर्जदाताओं से ही उधार लें :** हमेशा पंजीकृत कर्जदाताओं (रेगुलेटेड एन्टिटी-आरई) से ही उधार लें। ये कर्जदाता बैंक या एनबीएफसी हो सकती हैं। आरई पर आरबीआई के कर्ज संबंधी नियम लागू होते हैं। कर्ज लेने की अपनी योग्यता को जानें। अगर आपकी कमाई स्थिर है और क्रेडिट स्कोर अच्छा (750 से ऊपर) है तो बैंक से उधार लें। योग्यता कम होने पर गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से कर्ज लें।

**शुल्क की जानकारी लें :** सभी प्रकार के शुल्क की जानकारी जरूर लें। इनमें आपसे वसूली जाने वाली सालाना ब्याज दर के साथ प्रोसेसिंग शुल्क, देर से भुगतान पर शुल्क और प्री-पेमेंट चार्ज आदि शामिल हैं।

**विकल्पों की तुलना करें :** कर्ज के लिए आवेदन करते समय ब्याज दर, शुल्क और पुनर्भुगतान से जुड़ी शर्तों के बारे में जानकारी जुटाएं और शुल्कों की तुलना करें। इससे आपको कम ब्याज पर कर्ज लेने में मदद मिलेगी। पंजीकृत कर्जदाता आपके कर्ज की जानकारी क्रेडिट ब्यूरो को देते हैं। हाल ही में देखा गया है कि कुछ कर्जदाता ब्यूरो को उधारकर्ताओं का डाटा नहीं भेज रहे हैं। इससे कुछ मामलों में उधारकर्ताओं पर नकारात्मक असर पड़ा। उनका क्रेडिट स्कोर कम हुआ। अगर आपने कर्ज लिया है तो हर महीने अपने क्रेडिट स्कोर की जांच करें। क्रेडिट रिपोर्ट में गलतियां नजर आने पर इसकी जानकारी अपने कर्जदाता को दें। कर्ज वसूली प्रक्रियाओं पर आरबीआई की स्पष्ट गाइडलाइन है। कर्ज चुकाने में देरी या डिफॉल्ट होने पर भी आपके साथ सम्मान से व्यवहार किया जाना चाहिए। पंजीकृत कर्जदाता वसूली के लिए देर रात फोन नहीं करते हैं। उधारकर्ता के रिश्तेदारों और मित्रों को परेशान नहीं करते हैं।

# त्रासदी देखकर मन आहत, केंद्र से मिलती रहेगी मदद- जेपी नड्डा

## हिमाचल प्रदेश के भूस्खलन प्रभावित इलाकों में पहुंचे

**शिमला, एजेंसी।**
हिमाचल म भूस्खलन और प्रभावित इलाकों का दौरा करने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जेपी नड्डा पहुंचे है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि केंद्र बारिश से प्रभावित हिमाचल प्रदेश की गंभीर स्थिति से चिंतित है और विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे। स्थिति का जायजा लेने के लिए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल के साथ नड्डा राज्य के दौरे पर हैं।

सिरमौर के पोंटा साहिब से राज्य के बाढ़ और बारिश प्रभावित इलाकों का दौरा शुरू करने के बाद भाजपा अध्यक्ष ने कहा, मैं जलप्रलय से हुई तबाही और नुकसान देखकर दुखी हूं

और विस्थापितों के पुनर्वास के लिए हर संभव मदद का आश्वासन देता हूं। एक ऐसे परिवार से मिलना जिसने 10 अगस्त को अचानक आई बाढ़ में अपने पांच सदस्यों को खो दिया था। मेरा मन बहुत दुखी हुआ।

उन्होंने कहा,हिमाचल को भारी नुकसान हुआ है और केंद्र सरकार स्थिति को लेकर गंभीर रूप से चिंतित है। प्रशासन द्वारा राहत प्रदान करने और बहाली और पुनर्वास कार्य शुरू करने के प्रयास जारी हैं। केंद्रीय मदद मिलती रहेगी और सभी विस्थापित व्यक्तियों का पुनर्वास किया जाएगा।

बाद में, नड्डा ने समर हिल में शिव मंदिर क्षेत्र का दौरा किया जो 14 अगस्त को भारी भूस्खलन के बाद क्षतिग्रस्त हो गया था और कृष्णानगर का भी दौरा किया। हिमाचल प्रदेश में बारिश से संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या 78 हो गई है। शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर बताया था कि बीते रविवार रात से हुई 78 मौतों में से 24 मौतें अकेले शिमला में हुए तीन प्रमुख भूस्खलनों में हुईं - 17 समर हिल में शिव मंदिर में, पांच फागली में और दो कृष्णानगर में।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, 24 जून को हिमाचल प्रदेश में मानसून की शुरुआत के बाद से, राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में 338 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 38 लोग लापता हैं। इसमें कहा गया है कि 338 मौतों में से 221 लोगों की मौत हिमाचल प्रदेश में बारिश से संबंधित घटनाओं में हुई है। शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश सरकार ने भारी बारिश के कारण मानव जीवन की हानि और संपत्ति की व्यापक क्षति को देखते हुए राज्य को प्राकृतिक आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर दिया। राज्य सरकार ने केंद्र से इस त्रासदी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का आग्रह किया है।

## नोएडा अथॉरिटी के खाते से डकारे करोड़ों रुपये, सीएफओ की भूमिका भी संदिग्ध

**नोएडा, एजेंसी।** नोएडा प्राधिकरण के 200 करोड़ रुपये के एफडी मामले की जांच करीब डेढ़ महीने बाद भी पूरी नहीं हो सकी है, जबकि तत्कालीन सीईओ ने जांच 15 दिन में पूरा करने के निर्देश दिए थे। इस मामले में जवाबदेही वाले अफसर-कर्मचारियों पर शिंकजा नहीं कसा जा सका है। दरअसल नोएडा प्राधिकरण ने 200 करोड़ रुपये की एफडी कराने के लिए जून में सेक्टर-62 स्थित बैंक ऑफ इंडिया में खाता खुलवाया था। इस मामले में जालसाजों ने प्राधिकरण और बैंक के अधिकारी-कर्मचारियों से मिलीभगत कर जून के अंत में तीन करोड़ रुपये निकालकर विभिन्न खातों में ट्रांसफर करा दिए थे। इसके बाद नौ करोड़ रुपये और ट्रांसफर करने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी थी, लेकिन गड़बड़ी का अंदेशा होने पर यह रकम ठगी जाने से बच गई। प्राधिकरण की तत्कालीन सीईओ रितु माहेश्वरी ने मामले की जांच के लिए एसीईओ की अध्यक्षता में एक जांच समिति गठित कर दी थी। समिति को 15 दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे। इस बीच प्राधिकरण को बैंक की तरफ से पूरे 200 करोड़ रुपये वापस मिल गए। खास बात यह है कि डेढ़ महीने बाद भी मामले की जांच अधूरी है। अधिकारी जल्द जांच पूरी होने का दावा कर रहे हैं। प्राधिकरण अधिकारियों का कहना है कि सभी बयान लेने का काम पूरा हो चुका है। फाइनल रिपोर्ट भी जल्द तैयार कर सीईओ को सौंप दी जाएगी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस मामले में लिप्त गिरोह का सरगना मनु पोला एक सीसीटीवी फुटेज में प्राधिकरण के दफ्तर के बाहर दिखा था। मनु ने ही 200 करोड़ रुपये की ठगी की साजिश रची थी। गिरोह के चार अन्य सदस्य बैंक गए थे पर सरगना उनके साथ नहीं था। अब्दुल की गिरफ्तारी के समय मनु दिल्ली-एनसीआर में ही था। उसके बाद वह फरार हो गया। इस मामले में नोएडा प्राधिकरण के मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी मनोज कुमार सिंह की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। इसकी वजह यह है कि एफडी के लिए बोली प्रक्रिया में बिना आला अधिकारियों की मंजूरी व सूची में नाम नहीं होने के बावजूद बैंक ऑफ इंडिया को बुलाना, बैंक में खाता खोले जाने की प्रक्रिया अपने कार्यालय में कराना, फर्जी एफडी भी उन्हीं के कार्यालय में आना समेत कई ऐसे बिंदु हैं।

## 2022 में भ्रष्टाचार की सबसे ज्यादा शिकायतें गृह मंत्रालय के अधिकारियों के खिलाफ

**नईदिल्ली, एजेंसी।**
बीते साल भ्रष्टाचार की सबसे ज्यादा शिकायतें केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों के खिलाफ आई हैं। इसके बाद रेलवे और बैंक अधिकारियों के खिलाफ शिकायतें मिली हैं। हाल ही में जारी हुई केंद्रीय सतर्कता आयोग की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। एक अधिकारी के मुताबिक कि सीवीसी ने शिकायतों की जांच के लिए मुख्य सतर्कता अधिकारियों को तीन महीने की समय-सीमा दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022 में केंद्र सरकार के सभी विभागों और संगठनों में सभी श्रेणियों के अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की कुल 1,15,203 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 85,437 शिकायतों का निपटान किया जा चुका है, जबकि 29,766 शिकायतें लंबित हैं। इनमें से 22,034 शिकायतें तीन महीने से ज्यादा समय तक लंबित रहीं।

रिपोर्ट के अनुसार गृह मंत्रालय को उसके अधिकारियों के खिलाफ 46,643 शिकायतें मिलीं, वहीं रेलवे को 10,580 शिकायतें और बैंकों को 8,129 शिकायतें मिलीं। गृह मंत्रालय के कर्मियों के खिलाफ कुल शिकायतों में से 23,919 का निपटान कर दिया गया और 22,724 शिकायतें लंबित रहीं, जिनमें से 19,198 शिकायतें तीन महीने से ज्यादा समय तक लंबित रहीं। वहीं, रेलवे ने 9,663 शिकायतों का निपटारा कर दिया है, जबकि 917 शिकायतें लंबित हैं, जिनमें नौ शिकायतें तीन महीने से अधिक समय से लंबित थीं। बैंकों ने भ्रष्टाचार की 7,762 शिकायतों का निपटारा किया, 367 लंबित थीं, जिनमें 78 शिकायतें तीन महीने से अधिक समय से लंबित थीं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली के कर्मियों के खिलाफ 7,370 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 6,804 शिकायतों का निपटान हो गया और 566 शिकायतें लंबित रहीं जिनमें से 18 शिकायतें तीन महीने से ज्यादा समय तक लंबित रहीं।

# सार्वजनिक आयोजनों के लिए पिंपरी चिंचवड़ वासियों को मिली जगह

## पीएमआरडीए आयुक्त राहुल महिवाल ने दी जानकारी

पिंपरी, २१ अगस्त: पीएमआरडीए राहुल महिवाल ने एक विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी है कि पिंपरी चिंचवड वासियों को सार्वजनिक आयोजनों के लिए उनकी मांग के अनुसार जगह उपलब्ध करवा दी गई है। उन्होंने विज्ञप्ति में बताया है कि, भक्ति शक्ति शिव जयंती उत्सव समिति, पिंपरी चिंचवड़ शहर और विभिन्न अन्य संगठन पेठ नं. २४ में, शिव जयंती, अन्नाभाऊ साठे जयंती, विभिन्न जयंती त्योहारों और निगड़ी ग्रामीणों के ग्राम मेलों के लिए पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण से भक्ति शक्ति चैक, निगड़ी में वाणिज्यिक भूखंड की मांग की गई थी। तथापि उक्त स्थान पर ५ व्यावसायिक भूखण्डों का आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किये जाने की कार्यवाही पूर्ण हो जाने के कारण उक्त व्यावसायिक भूखण्ड को मांग के अनुरूप देना संभव नहीं होगा, इसकी सूचना समय-समय पर संबंधितों को दी जाती रही है। हालाँकि इस क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों एवं विभिन्न संगठनों की मांग को देखते हुए पेठ नं. २१, निगडी गावठान के निकट पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के कब्जे में खुली भूमि। भक्ति शक्ति शिव जयंती उत्सव समिति, पिंपरी चिंचवड़ शहर और विभिन्न अन्य संगठन पेठ नं. २४ में, शिव जयंती, अन्नाभाऊ साठे जयंती, विभिन्न जयंती त्योहारों और निगड़ी ग्रामीणों के ग्राम मेलों के लिए पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण से भक्ति शक्ति चैक, निगड़ी में वाणिज्यिक भूखंड की मांग की गई थी। तथापि उक्त स्थान पर ५ व्यावसायिक भूखण्डों का आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किये जाने की कार्यवाही पूर्ण हो जाने के कारण उक्त व्यावसायिक भूखण्ड को मांग के अनुरूप देना संभव नहीं होगा, इसकी सूचना समय-समय पर संबंधितों को दी जाती रही है। . हालाँकि इस क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों एवं विभिन्न संगठनों की मांग को देखते हुए पेठ नं. २१, निगडी गावथाना नंबर के निकट पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के कब्जे में खुली भूमि। ९ निगड़ी, सर्वे नं. मांग के अनुसार सार्वजनिक उपयोग के लिए ८३ में से एक एकड़ (४० रुपये) पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम को दी गई थी। १८६०८६२०२३ को स्थानांतरित किया गया। पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम को निर्देश दिया है कि विभिन्न संगठन शिव जयंती, अन्नाभाऊ साठे जयंती, विभिन्न जयंती त्योहारों और निगड़ी ग्रामीणों के ग्राम मेलों के लिए उक्त स्थान का उपयोग करें।पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने वैकल्पिक सीट को मंजूरी दे दी है, जिससे विभिन्न संगठनों की मांग को राहत मिली है। खुली जगह क्रमांक ९ निगड़ी, सर्वे नं. ८३ में से एक एकड़ (४० आर) पिंपरी चिंचवड़ मनपा को दी गई थी। इसे १८/०८/२०२३ को स्थानांतरित किया गया। पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने पिंपरी चिंचवड़ मनपा को निर्देश दिया है कि विभिन्न संगठन शिव जयंती, अन्नाभाऊ साठे जयंती, विभिन्न जयंती त्योहारों और निगड़ी ग्रामीणों के ग्राम मेलों के लिए उक्त स्थान का उपयोग करें।पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने वैकल्पिक जगह को मंजूरी दे दी है, जिससे विभिन्न संगठनों की मांग पूरी हो गई है।

# नंबर 1 सबसे ज्यादा कमाई वाली अभिनेत्री

**अभिनेत्री** उर्वशी रौतेला, जो फोर्ब्स इंडिया के अनुसार भारत की नंबर 1 सबसे ज्यादा कमाई वाली अभिनेत्री हैं. साथ ही वे सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली भी एक ग्लोबल सेलिब्रिटी हैं और बॉलीवुड की सबसे कम उम्र की एक ऐसी शख्सियत हैं, जो हमेशा ही छाई रहती हैं. उर्वशी रौतेला ने एक बार फिर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है और इस बात का दावा भी उन्होंने ही किया है. हाल ही में उर्वशी ने एक तस्वीर शेयर की है जिसमें वे पेरिस के एफिल टॉवर के बैकग्राउंड में क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 ट्रॉफी को लेकर दिख रही हैं.

ऐसा बताया जा रहा है कि अनावरण करने वाली पहली अभिनेत्री बनकर एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है. एक्ट्रेस ने अपनी कुछ दिलचस्प तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वे गोल्डन कलर की चमकदार पोशाक में विश्व कप ट्रॉफी के साथ पोज देते हुए खड़ी देखी जा सकती हैं. उन्होंने फोटो को शेयर कर कैप्शन में लिखा, पहली अभिनेत्री जिसे आधिकारिक तौर पर क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 ट्रॉफी को पेरिस में लॉन्च करने का मौका मिला.

ट्रॉफी का अनावरण करने का अवसर देने के लिए अभिनेत्री ने आईसीसी के प्रति आभार बयां किया. उनकी पिक्चर्स देख जहां एक ओर कुछ फैंस बहुत खुश हुए और उनके कमेंट सेक्शन में प्यार की बौछार की, जिस पर एक प्रशंसक ने लिखा, ह्यआप हमारे देश का गौरव हैं, तो दूसरे ने लिखा, ह्यआपके पिक्चर्स कलेक्शन में ये अब तक की सबसे बेहतरीन फोटो है. कई यूजर्स ने एक्ट्रेस को ढेर सारी बधाइयां दी हैं.

उर्वशी जब भी कोई तस्वीर शेयर करती हैं तो ऋषभ पंत का नाम जरूर आता है. लेटेस्ट पिक्चर को देख कुछ यूजर ने लिखा, ऋषभ पंत कॉमबैक 2023...वहीं तमाम लोग उर्वशी को ट्रोल भी कर रहे हैं. अभिनेत्री को वर्ल्ड कप 2023 की ट्रॉफी के साथ देख एक ने लिखा, ये असली है या पुतला..एक ने लिखा, ह्यजल्दी वहां से हटो.ह्ल एक यूजर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि ह्यऋषभ पंत से पहले इन्होंने ट्रॉफी को छू लिया.ह्ल एक ने लिखा, सचिन तेंदुलकर ने पहले ट्रॉफी को अनवील किया था. वहीं एक ने उर्वशी को लेकर लिखा, बहन खुद से खुद की तारीफ करना बंद कर दो और किसी दूसरे को भी मौका दो.ह्ल इस तरह से उर्वशी रौतेला को ट्रोल्स जमकर खिंचाई हो रही है.

उर्वशी ने एफिल टॉवर के इस बैकग्राउंड में ट्रॉफी का

# बॉलीवुड की सबसे डिजास्टर फिल्म, 500 करोड़ की डूब गई लागत

**प्रभास** और कृति सैनन स्टारर फिल्म आदिपुरुष रिलीज होते ही विवादों में घिर गई थी. फिल्म के पोस्टर रिलीज होते ही लोगों ने फिल्म को घेरना शुरू कर दिया था. इसके बाद ट्रेलर आया और फिल्म फिल्म आई. फिल्म आते ही लोगों ने इसकी धज्जियां उड़ा दीं.

डायरेक्टर ओम राउत का ये 500 करोड़ का प्रोजेक्ट लोगों के गुस्से का शिकार हो गया. फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही. फिल्म ने भारत में महज 280 करोड़ रुपयों की कमाई और बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी. फ्लॉप होते ही फिल्म बॉलीवुड की ऑलटाइम डिजास्टर में शामिल हो गई. फिल्म की लागत भी पूरी तरह नहीं निकल पाई.

बाहुबली स्टारर प्रभास ने इस फिल्म में राघव यानी भगवान राम का किरदार प्ले किया था. वहीं जानकी के किरदार में कृति सैनन नजर आईं थीं. फिल्म में लक्ष्मण के किरदार में सनी सिंह नजर आए थे. फिल्म रिलीज से पहले ही विवादों में घिरी रही. सबसे पहले फिल्म के किरदार रावण का पोस्टर रिलीज किया गया था. इस पोस्टर को लेकर भी लोगों ने नाराजगी जाहिर की थी. इसके बाद फिल्म का ट्रेलर भी लोगों को नहीं जमा. फिल्म रिलीज होते ही पहले ही शो से लोगों ने इसकी आलोचना करना शुरू कर दिया था. फिल्म बुरी तरह पिट गई थी.

आदिपुरुष मेकर्स के लिए ये फिल्म एक बड़ा सदमा साबित हुई थी. रामायण पर बनी इस फिल्म की कहानी के किरदार भी रामायण से लिए गए थे. जिन्हें हॉलीवुड स्टाइल में लोगों के सामने रखा था. लेकिन आदर्शों के पुतले ये किरदार लोगों को नए रूप में नहीं जमे. फिल्म का विरोध हुआ और लोगों ने इसे बैन करने की मांग भी की थी. हालांकि फिल्म पर बैन तो नहीं लगा लेकिन बुरी तरह फ्लॉप हुई.

साथ ही लोगों की भावनाओं को आहत करने को लेकर फिल्म के डायरेक्टर ओम राउत ने माफी मांगी. साथ ही राइटर मनोज शुक्ला ने भी इस पर अपनी गलती स्वीकार की थी. हालांकि फिल्म खूब विवादों के बाद बुरी तरह पिट गई और बॉलीवुड की ऑलटाइम डिजास्टर की लिस्ट में शामिल हो गई है.

# एल्विश यादव जल्द बॉलीवुड में करेंगे डेब्यू

**बिग** बॉस ओटीटी जीतने वाले एल्विश यादव जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। वह इस समय खासकर युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। हर किसी की जुवान पर बस एक ही शब्द छाया हुआ है Systumm, उनका नाम मशहूर है और उनका प्रभाव न सिर्फ आम आदमी बल्कि बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की भी जुबान पर है. आलिया भट्ट ने भी इंस्टाग्राम पर एल्विश की स्टोरी शेयर कर उनके प्रति समर्थन जताया है ।

एक इंटरव्यू में एल्विश ने बताया कि उन्हें म्यूजिक एल्बम, वेब सीरीज और बॉलीवुड फिल्मों के ऑफर मिले हैं। उन्होंने हर किसी की तरह पैसा कमाने की इच्छा जताई, लेकिन वह अभी भी इस बात पर विचार कर रहे हैं कि बॉलीवुड में एंट्री की जाए या नहीं। वह निर्णय लेने से पहले प्रत्येक चीज का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करना चाहते है ।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव ( पूर्व ),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .